धौड़ी
(Lagerstroemia Parviflora)

समयबद्ध कार्यक्रम

क्र.स.	कार्य	वर्ष	माह
1	स्वस्थ्य वृक्षों का चयन	–	समयानुसार
2	स्वस्थ व रोगमुक्त वृक्षों से बीज एकत्रीकरण करना	प्रथम वर्ष	अप्रैल / मई
3	मिस्टचैम्बर में बीज बुआई	प्रथम वर्ष	मई
4	अंकुरित पौधे का पॉली बैग में प्रत्यारोपण	प्रथम वर्ष	जुलाई
5	पौंधों का रखरखाव	प्रथम वर्ष / द्वितीय वर्ष	जुलाई से जून
6	रोपण कार्य	/ द्वितीय वर्ष	जुलाई

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें :

1– मुख्य वन संरक्षक जैव विविधता संरक्षण विकास एवं अनुसंधान,हल्द्वानी
फोन नं0 05946–234047,

2– वन संरक्षक अनुसंधान वृत्त उत्तराखण्ड हल्द्वानी
फोन न0 05946–235136,

3– वन वर्धनिक साल क्षेत्र, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी फोन नं0 05946–234158
उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान शाखा, रामपुर रोड, हल्द्वानी–263139

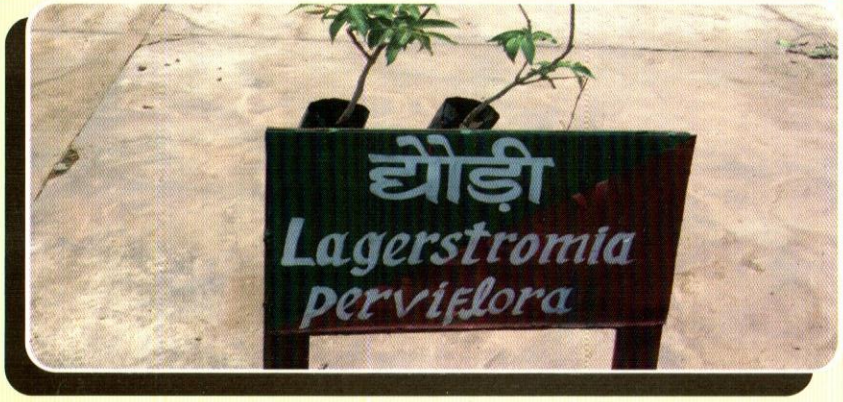

अनुसंधान पत्रक 2/2017–18

धौड़ी
(Lagerstroemia Parviflora)

पौध उत्पादन प्राविधि

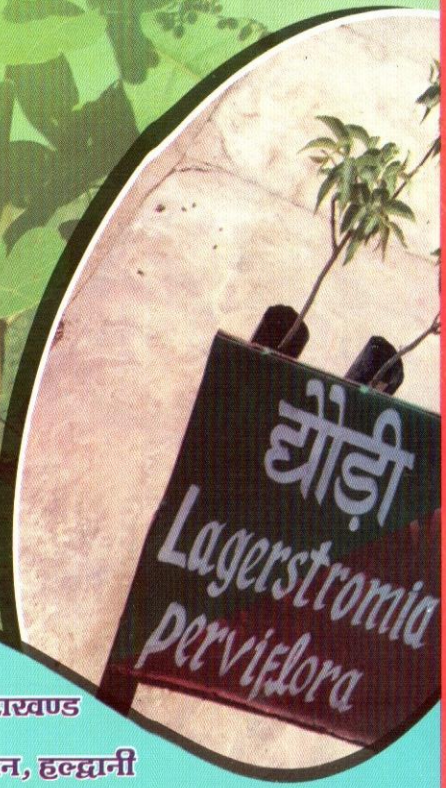

वन वर्धनिक साल क्षेत्र, हल्द्वानी उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान संस्थान, हल्द्वानी

वन विभाग, उत्तराखण्ड।

धौड़ी
(Lagerstroemia Parviflora)

परिचय (Introduction)

धौड़ी (Lagerstroemia parviflora) लिथ्रेसी कुल का सदस्य है। यह एक वृहद आकार का काष्ठीय तथा पर्णपाती वृक्ष है, जिसकी ऊँचाई लगभग 15–20 मी0 तक होती है। यह सामान्यतः 500 मी0 से अधिक ऊँचाई पर पाया जाता है। यह उत्तराखण्ड के भावरीय एवं मैदानी क्षेत्रों में पाया जाता है। यह प्रकाशपेक्षी, अच्छा कॉपिसर एवं अग्नि प्रतिरोधी प्रजाति है। यह साल्न की सहचरी प्रजाति भी है। इसका प्रकाष्ठ अधिक टिकाऊ होने के कारण फर्नीचर, सोफा तथा भवन निर्माण आदि सामग्री बनाने में उपयोग होता है। इसका पुष्पण काल माह फरवरी/मार्च है तथा परिपक्व बीज अप्रैल/मई में एकत्र किये जा सकते हैं।

प्रवर्धन प्राविधि (Propagation Technique)

धौड़ी का प्रवर्धन बीज एवं शाखा कटिंग द्वारा किया जाता है।

वर्धीप्रवर्धन (कटिंग द्वारा पौध तैयार करना)

- धनात्मक वृक्ष/सी0पी0टी का चयन करें।
- शाखाओं के अग्रिम भाग की 10–12 से0मी0 लम्बी कटिंग जून प्रथम सप्ताह में तैयार करें।
- कटिंग को बिना उपचारित कर मिस्ट चैम्बर में बर्मीकुलाइट में रोपित करें।
- कटिंग में जड़ प्रस्फुटित होने में 20 से 25 दिन का समय लगता है तथा 75% कटिंग में रूटिंग प्राप्त होती है।
- जड़ युक्त पौधों का प्रत्यारोपण माह जुलाई में 6X9 इंच के पॉलीबैग में करना चाहिए ।
- प्रत्यारोपण पौध की देख–रेख लगभग 12 माह तक करनी चाहिए जिससे पौध पूरी तरह विकसित हो कर फील्ड में रोपण योग्य हो जाय ।

बीज द्वारा पौध तैयार करना

उच्च गुणवक्ता के बीज की प्राप्ति हेतु सर्वप्रथम स्वस्थ व रोगमुक्त वृक्षों का चयन कर बीज एकत्रीकरण कार्य किया जाता है। माह अप्रैल/मई में बीज परिपक्व होने पर एकत्र कर फंगीसाइट से उपचारित करें। एकत्र करने के तुरन्त बाद बीज को 12 घंटे सामान्य जल से उपचारित कर मिस्ट चैम्बर में जर्मिनेशन ट्रे में बर्मीकुलाइट, पॉटिंग मिश्रण में लाइनों में बोया जाता है। माह मई में मिस्ट चैम्बर में बोये गये बीज में 14–15 दिनों में अंकुरण प्रारम्भ होने लगता है, तथा 35–40 दिनों में 33 प्रतिशत अंकुरण प्राप्त होता है। मिस्ट चैम्बर में तापमान 30–35 डिग्री सेंटीग्रेड तथा आर्द्रता 80 से 90 प्रतिशत सुनिश्चित करते है।

धौड़ी
(Lagerstroemia Parviflora)

पौध प्रत्यारोपण

अंकुरित पौधों का प्रत्यारोपण माह जुलाई में किया जाना चाहिए जब उसमें कम से कम 3–4 पत्तियाँ आ जाय। प्रत्यारोपण करते समय अंकुरित पौधे की जड़ को सावधनीपूर्वक निकालना चाहिए। कालर से पकड़ने पर पौधे को क्षति पहुँच सकती है। 9X6 इंच के पॉलीबैग में प्रत्यारोपण शेड हाउस में करने पर अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। पॉटिंग मीडियम मिट्टी, कम्पोस्ट, बालू (4 : 2 : 1) उपयुक्त पाया गया ।

रोपण कार्य

वर्षाकाल के आरम्भ में 4मी0 X 4मी0 की स्पेसिंग पर रोपण किया जाना चाहिए। 2 वर्ष की पौध वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त होती हैं, पौध रोपण माह जुलाई में करना उपयुक्त होता है।